कला नगरी भावनगर को गौरवान्वित कर रही हैं शास्त्री नृत्य कला में पारंगत डॉ. निपा ठक्कर

भावनगर

संगीत परीक्षा में श्रुजल वढेरा की सिद्धि, तबला वादन क्षेत्र में जयेश आधरिया तथा चित्रकला क्षेत्र में विरती शाह की सिद्धि, भावनगर के स्थानीय अखबारों में इस प्रकार के समाचार प्रकाशित होते रहते हैं। कला, साहित्य तथा शिक्षा क्षेत्र में अग्रस्थान प्राप्त भावनगर में राजवी काल से स्थापित कला वैभव, वर्तमान पीढ़ी एक अग्रस्थान स्थापित कर रही है। इस कला की विरासत के रख-रखाव के लिए कार्यरत एक ठक्कर परिवार के बताए अनुसार बंसरी तथा वायोलिन वादक भावनगर के स्व. अनंतराय ठक्कर एक श्रेष्ठ लेखक, कवि तथा गजलकार थे। उनका 'पालव किनारी' गजल संग्रह यादगार है। माजीराज गर्ल्स स्कूल में एक समय में शिक्षक के रूप में कार्यरत नृत्य नाटिका, गीतों के तर्ज पर तैयार करने वाले स्व. अनंतराय ने कला संस्कार को काफी बढ़ावा दिया है।

ठक्कर परिवार द्वारा कला के इस बढ़ावे के अलावा उनके पुत्र सिद्धार्थभाई ठक्कर संगीतज्ञ के रूप में काफी प्रसिद्ध हैं। भावनगर में थियोसोफिकल लॉज में प्रति माह संगीत प्रेमियों के लिए आयोजित 'सुरीली सांझ' कार्यक्रम की शुरुआत करने वाले 66 वर्षीय सिद्धार्थभाई इस कार्यक्रम के नियमित गायक हैं। उनके भाई सहदेवभाई भी संगीत, साहित्य तथा उर्दू साहित्य के संशोधक हैं। सिद्धार्थभाई की पुत्री डॉ. नीपा ठक्कर ने भी अपने परिवार की विरासत को बरकरार रखते हुए कथ्थक नृत्य कला में नृत्य अलंकार की पदवी प्राप्त करी है। बाल मंदिर से नृत्य के कार्यक्रम पेश करने वाली नीपा ने 11 वर्ष की उम्र में सुश्री मुरलीबेन मेघाणी से शास्त्रीय कथ्थक नृत्य की प्राथमिक प्रशिक्षण तथा कला क्षेत्र संस्था के कलागुरु धरमशीभाई शाह से उच्च प्रशिक्षण प्राप्त कर नृत्य कला के साथ शैक्षणिक क्षेत्र में भी ध्यान देकर नीपा ने आयुर्वेद डॉक्टर की पदवी भी प्राप्त की है। नीपा कहती है कि नृत्य कला अद्भुत अनुभूति है। सिर्फ शास्त्रीय नृत्य ही नहीं हमारे प्राचीन कला-संगीत के संस्कार को उजागर करने वाले गरबा व लोकनृत्य भी आनंददायक हैं।

13 वर्ष की आयु में उन्होंने गरबा प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। शास्त्रीय नृत्य के साथ-साथ लोकनृत्य में पारंगत होने के लिए सुश्री मुरलीबेन मेघाणी के वेणुनाद ग्रुप से जुड़कर सूरत, अहमदाबाद, राजकोट, नडियाद तथा वडोदरा में लोकनृत्य के कार्यक्रम पेश किए। उन्हें वर्ष 1986 में अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल द्वारा नृत्य विशारद तथा 87वें मंडल द्वारा शिक्षा विशारद तथा 1 वर्ष 1991 में नृत्य अलंकार पुरस्कार से सम्मानित किया गया। भावनगर की कला क्षेत्र संस्था में वे 12 वर्षों से नृत्य शिक्षिका के रूप में सेवा प्रदान कर रही हैं। उनके मार्गदर्शन में संस्था ने कई कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक संचालन किया। संस्था ने वर्ष 1998 में राज्य युवक महोत्सव में भावनगर, जूनागढ़ में प्रथम स्थान, राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान तत्पश्चात् चेन्नई में राष्ट्रीयस्तर की प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया। आगामी मई माह में फ्रांस में होने वाले एक समारोह में डॉ. नीपा बेन 'अमीतिए' ग्रुप के सहयोग से नृत्य प्रस्तुती पेश करेंगी।(ज.)

સૌરાષ્ટ્ર સમાચાર તા. ૨૭/૮/૦૮

ભાવનગર

'ભાવેણા-૨૦૦૮'નો રંગદર્શી આરંભ...

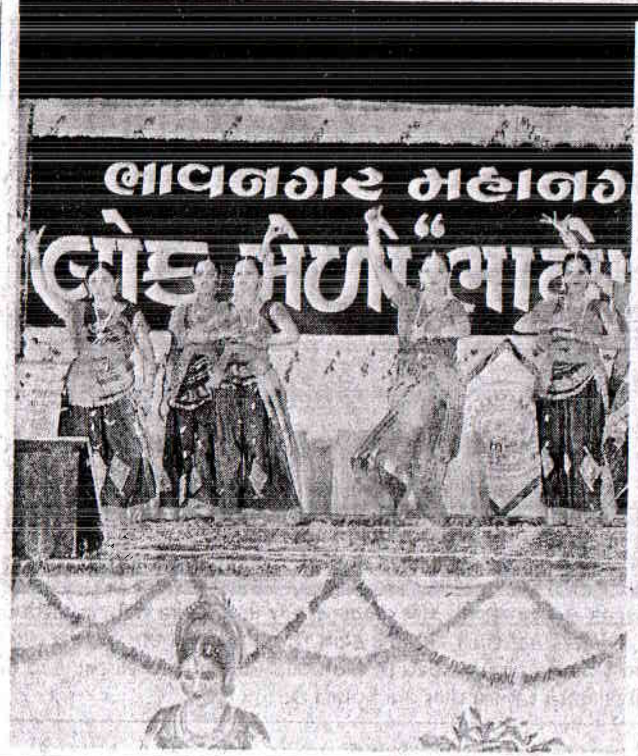

જવાહર મેદાન ખાતે શનિવારે સાંજે ઉમંગ-ઉત્સાહભેર જન્માષ્ટમી મેળાનો આરંભ થયો તે પ્રસંગે ઉપસ્થિત જનમેદની સમક્ષ નૃત્યના રંગારંગ કાર્યક્રમે દર્શકોને મંત્રમુગ્ધ કર્યા હતા. મ્યુ. કોર્પો. દ્વારા પ્રથમ વખત શહેરમાં જન્માષ્ટમી મેળાનું આયોજન કરાયું છે.
- સુમિત ઠક્કર